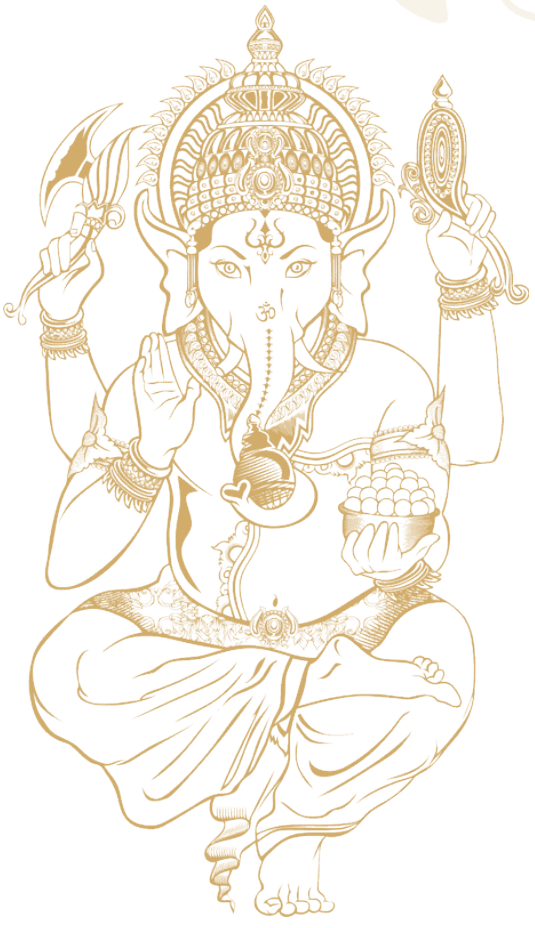

Rajat katiyar

03 Apr 2007

06:45 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121930802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/04/2007**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**06:45:00 घंटे**
इष्ट	01:56:08 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:36:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	19:20:16 घंटे
सूर्योदय	05:58:32 घंटे
सूर्यास्त	18:26:15 घंटे
दिनमान	12:27:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	18:57:15 मीन
लग्न के अंश	03:22:20 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

FUTUREPOINT
अरुण कुमार बंसल
बी 237 सैक्टर 26, नोएडा 201301
Mob : 9350508000
EMail : akbansal@hotmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:22:20	472:25:48	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	---
सूर्य			मीन	18:57:15	00:59:09	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	22:33:53	11:49:08	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	03:29:51	00:46:01	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	24:01:30	01:24:45	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु			वृश्चि	25:48:19	00:00:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	25:22:34	01:11:12	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि	व		कर्क	24:27:03	00:01:47	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	22:05:18	00:03:35	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:05:18	00:03:35	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	22:18:20	00:03:10	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:21:26	00:01:35	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	05:00:22	00:00:04	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			धनु	24:34:07	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:34

लग्न-चलित

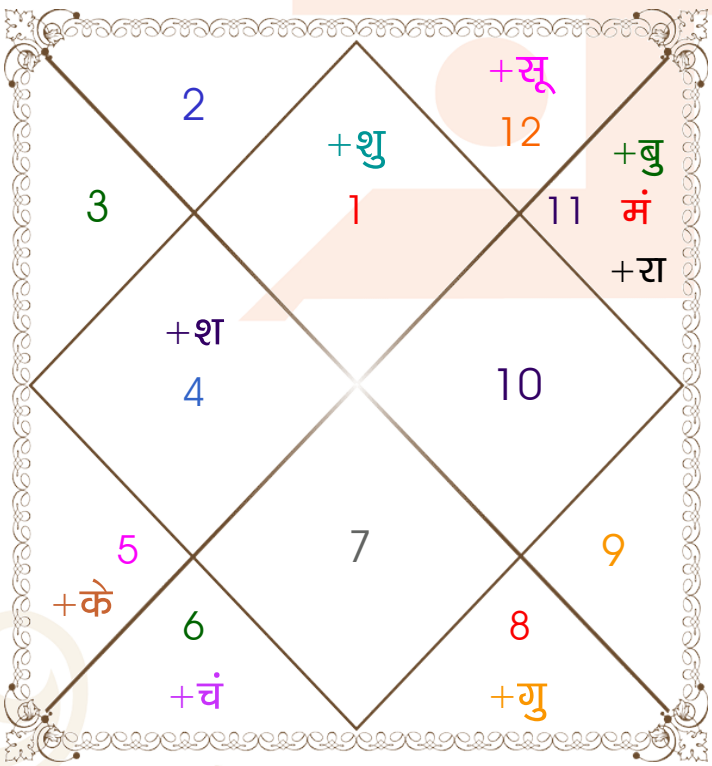

चन्द्र कुंडली

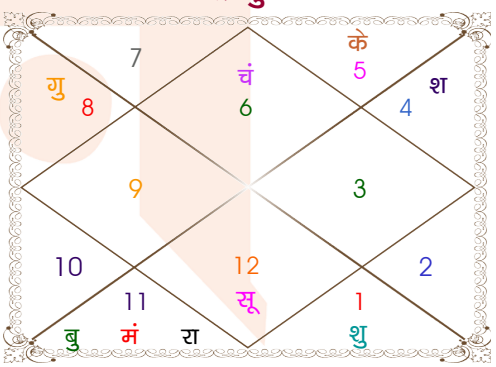

नवमांश कुंडली

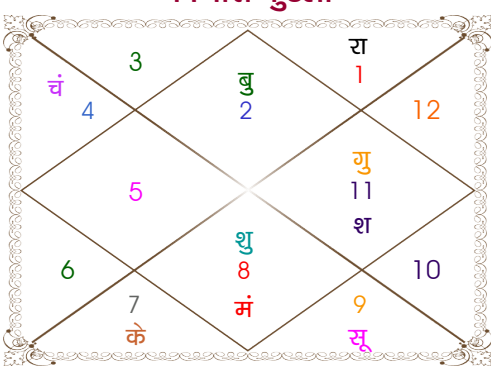

FUTUREPOINT Astrology Solutions
अरुण कुमार बंसल
बी 237 सैक्टर 26, नोएडा 201301
Mob : 9350508000
EMail : akbansal@hotmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 6 मास 27 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/04/2007		30/10/2007		30/10/2014		30/10/2032		30/10/2048	
30/10/2007		30/10/2014		30/10/2032		30/10/2048		30/10/2067	
	00/00/0000	मंगल	27/03/2008	राहु	12/07/2017	गुरु	18/12/2034	शनि	02/11/2051
	00/00/0000	राहु	15/04/2009	गुरु	06/12/2019	शनि	30/06/2037	बुध	12/07/2054
	00/00/0000	गुरु	22/03/2010	शनि	12/10/2022	बुध	06/10/2039	केतु	21/08/2055
	00/00/0000	शनि	01/05/2011	बुध	30/04/2025	केतु	11/09/2040	शुक्र	21/10/2058
	00/00/0000	बुध	27/04/2012	केतु	19/05/2026	शुक्र	13/05/2043	सूर्य	03/10/2059
	00/00/0000	केतु	23/09/2012	शुक्र	18/05/2029	सूर्य	29/02/2044	चंद्र	03/05/2061
	03/04/2007	शुक्र	23/11/2013	सूर्य	12/04/2030	चंद्र	30/06/2045	मंगल	12/06/2062
शुक्र	01/05/2007	सूर्य	31/03/2014	चंद्र	12/10/2031	मंगल	06/06/2046	राहु	18/04/2065
सूर्य	30/10/2007	चंद्र	30/10/2014	मंगल	30/10/2032	राहु	30/10/2048	गुरु	30/10/2067

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/10/2067		30/10/2084		30/10/2091		31/10/2111		31/10/2117	
30/10/2084		30/10/2091		31/10/2111		31/10/2117		00/00/0000	
बुध	28/03/2070	केतु	28/03/2085	शुक्र	01/03/2095	सूर्य	18/02/2112	चंद्र	31/08/2118
केतु	25/03/2071	शुक्र	28/05/2086	सूर्य	29/02/2096	चंद्र	18/08/2112	मंगल	01/04/2119
शुक्र	23/01/2074	सूर्य	03/10/2086	चंद्र	30/10/2097	मंगल	24/12/2112	राहु	30/09/2120
सूर्य	29/11/2074	चंद्र	04/05/2087	मंगल	30/12/2098	राहु	18/11/2113	गुरु	30/01/2122
चंद्र	30/04/2076	मंगल	30/09/2087	राहु	31/12/2101	गुरु	06/09/2114	शनि	31/08/2123
मंगल	27/04/2077	राहु	17/10/2088	गुरु	31/08/2104	शनि	19/08/2115	बुध	30/01/2125
राहु	15/11/2079	गुरु	23/09/2089	शनि	31/10/2107	बुध	25/06/2116	केतु	31/08/2125
गुरु	19/02/2082	शनि	02/11/2090	बुध	31/08/2110	केतु	31/10/2116	शुक्र	04/04/2127
शनि	30/10/2084	बुध	30/10/2091	केतु	31/10/2111	शुक्र	31/10/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 6 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।